संदेश

जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर मैं देश और विदेश में बसे सभी भारतवंशियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

भगवान कृष्ण के जीवन और शिक्षाओं का सबके लिए एक प्रमुख संदेश है; 'निष्काम कर्म' जिसका अर्थ है कि व्यक्ति को फल की चिंता किए बिना अपना कर्म करते रहना चाहिए। मेरी कामना है कि जन्माष्टमी का यह पर्व हमें मन, वचन और कर्म से शील और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे।